नई दुनिया 14/8/2020

कॅरियर ● यूनिवर्सिटी के प्लेसमेंट अधिकारियों और काउंसलर के पास आ रहे फोन से मिल रहा रुझान

ई-कॉमर्स, फॉर्मेसी, लॉ और एचए बने टॉप चॉइस

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके साथ ही कोर्स चयन को लेकर विषय विशेषज्ञों के पास विद्यार्थियों और माता-पिता के फोन आने लगे हैं। शहर के कॅरियर काउंसलर और देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के विभागों के अधिकारियों के पास पूछताछ के लिए आ रहे फोन कॉल में यह बात सामने आ रही है कि एमबीए ई-कॉमर्स में इस बार विद्यार्थियों का रुझान ज्यादा देखा जा रहा है।

पिछले वर्षों में एमबीए फाइनेंस, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) ब्रांच विद्यार्थियों की पहली पसंद हुआ करती थी, लेकिन इस बार एमबीए ई-कॉमर्स ब्रांच के बारे में भी बड़ी संख्या विद्यार्थी पूछताछ कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कोरोना महामारी के कारण इस बार एमबीए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (एचए) के बारे में काफी विद्यार्थी पूछताछ कर रहे हैं। फार्मेसी और लॉ कोर्स में भी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ सकती है। टेक्निकल कोर्सेस में पहले की तरह इस वर्ष भी ज्यादातर विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस (सीएस), इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) में इंजीनियरिंग की इच्छा रख रहे हैं।

इंटरनेट

छह वर्ष के इंटीग्रेटेड एमसीए की भी ज्यादा पूछताछ

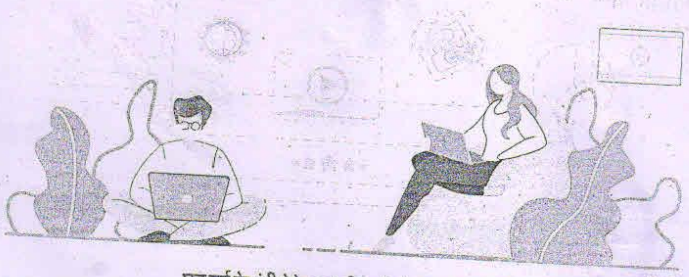

यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आइआइपीएस) के छह वर्षीय (एमसीए) मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन कोर्स के बारे में जानकारी लेने के लिए भी काउंसलर के पास विद्यार्थियों के फोन आ रहे हैं। आइआइपीएस के पूर्व निदेशक प्रो. बीके त्रिपाठी का कहना है इस कोर्स से पासआउट होने वाले विद्यार्थी माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, फेसबुक और कई नामी कंपनियों में कार्यरत हैं। कोर्स का सिलेबस और यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस के अनुभवी प्रोफेसर्स के कारण एमसीए के इस इंटीग्रेटेड कोर्स के बारे में काफी विद्यार्थी पूछताछ कर रहे हैं। इस संस्थान के एमबीए मैनेजमेंट साइंस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए छात्राओं का ज्यादा रुझान रहता है और इस वर्ष भी इनका रुझान कोर्स में बना हुआ है।

ई-कॉमर्स के सभी विद्यार्थियों को मिल रही नौकरी : देवी अहिल्या

यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर अवनीश व्यास का कहना है ऑनलाइन बिजनेस बढ़ने से हर साल ई-कॉमर्स में एमबीए करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। दो वर्षों से कंपनियों में ई-कॉमर्स में एमबीए करने वाले विद्यार्थियों की अच्छी मांग है। इसकी 120 सीटों में से लगभग सभी फुल हो जाती थीं, लेकिन इस बार रुझान बढ़ने से बड़ी संख्या में वेटिंग भी रह सकती है। कोरोना महामारी में भी इस कोर्स के विद्यार्थियों को नौकरी मिली है। इसी तरह एमबीए एचए के विद्यार्थियों को भी आसानी से नौकरी मिल रही है। महामारी के कारण कई अस्पतालों में इस कोर्स के विद्यार्थियों की मांग बढ़ गई है। वे कहते हैं कई अस्पताल हमसे फ्रेशर्स मांग रहे हैं। इन दोनों ब्रांच में नौकरी के अच्छे अवसर मिलने के साथ ही शुरुआती पैकेज भी बेहतर है। विद्यार्थियों को कंपनियां शुरुआती पैकेज तीन लाख रुपये से 4.50 लाख रुपये वार्षिक तक दे रही हैं।

बीएससी कंप्यूटर साइंस, नर्सिंग और बायोटेक्नोलॉजी में जाना चाहती हैं छात्राएं

कॅरियर काउंसलर सचिन भटनागर का कहना है कि मेडिकल व कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करने के लिए शहर के कई विद्यार्थी हर वर्ष दूसरे प्रदेशों और विदेशों में जाते रहे हैं, लेकिन कोरोना के कारण इस वर्ष स्थानीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेना पसंद कर रहे हैं। विद्यार्थियों से बातचीत में पता लग रहा है कि साइंस विषय के प्रति छात्राओं की रुचि बढ़ रही है। बीएससी कंप्यूटर साइंस, बीएससी नर्सिंग और बीएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स में छात्राओं की संख्या बढ़ सकती है। एमबीए ई-कॉमर्स, एमबीए एचए के साथ ही फार्मेसी और लॉ की पढ़ाई करने की इच्छा भी काफी विद्यार्थी जाहिर कर रहे हैं। योग में भी डिग्री कोर्सेस करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।